# बाबा बालक नाथ चालीसा

गुरू चरणों में सीस धर करूं प्रथम प्रणाम,

बख्शो मुझको बाहुबल, सेव करूं निष्काम ,

रोम रोम में रम रहा,रूप तुम्हारा नाथ

दूर करो,अवगुण मेरे, पकड़ो मेरा हाथ

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बालक नाथ ज्ञान भंडारा।

दिवस रात जपु नाम तुम्हारा ॥

तुम हो जपी तपी अविनाशी।

तुम ही हो मथुरा काशी ॥

तुमरा नाम जपे नर नारी।

तुम हो सब भक्तन हितकारी ॥

तुम हो शिव शंकर के दासा।

बीच गुफा तुम्हारा वासा ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सर्वलोक तुमरा जस गावें।

ऋषि मुनि सब नाम ध्यावें ॥

कान्धे पर झोली विराजे।

हाथ में सुन्दर चिमटा साजे ॥

सूरज के सम तेज तुम्हारा।

मन मंदिर में करे उजारा ॥

बाल रूप धर गऊ चरावे।

रत्नों की करी दूर बलायें ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अमर कथा सुनने को रसिया।

महादेव तुमरे मन बसिया ॥

शाह तलाईयां आसन लाया।

शिव भोले का नाम ध्याया ॥

रत्नों का तू पुत्र कहाया।

जिमींदारो ने बुरा बनाया ॥

ऐसा चमत्कार तुमने दिखलाया।

सबके मन का भ्रम मिटाया ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

रिद्धि सिद्धि नवनिधि के दाता।

मात लोक के भाग विधाता ॥

जो नर तुमरा नाम ध्यावें।

जन्म जन्म के दुःख बिसरावें ॥

अन्तकाल जो सिमरण करता।

भव सागर से पार उतरता ॥

संकट कटे मिटे सब रोगा।

बालक नाथ जपे जो लोगा ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

लक्ष्मी पुत्र शिव भक्त है प्यारा।

बालक नाथ है नाम तुम्हारा ॥

दूधाधारी सिर जटा सुहावै।

अंग विभूति तन भस्म रमावे ॥

पौणाहारी बाबा, दूधाधारी।

कलयुग के तुम हो अवतारी ॥

अद्भुत तेज प्रताप तुम्हारे।

घट-घट की तुम जानन हारे ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बाल रूप धरि भक्तन तारे।

भक्तन के हैं पाप मिटाये ॥

गोरख नाथ सिद्ध जटाधारी।

अजमाने आया तुम्हें पौणाहारी ॥

जब उस पेश गई न कोई।

हार मान फिर मित्रता होई ॥

घट घट के अन्तर की जानत।

भले बुरे की पीड़ पछानत ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सूक्ष्म रूप करे पवन अहारा।

पैनाहारी हुआ नाम तुम्हारा ॥

दर पे जोत जगे दिन रैणा।

तुम रक्षक भय कोऊँ है ना ॥

भक्त जन जब नाम पुकारा।

तब ही उनका दुख निवारा ॥

सेवक करे नित तेरी पूजा।

तुम जैसा दानी नहीं दूजा ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तीन लोक महिमा तब गाई।

गौरख को जब कला दिखाई ॥

बालक नाथ अजय अविनाशी।

करो कृपा घट-घट के वासी ॥

तुमरा पाठ करे जो कोई।

बन्धन छूट महा सुख होई ॥

त्राहि त्राहि में नाथ पुकारूँ।

देहि दर्शन मोहे पार उतारो ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

लै त्रिशूल शत्रुगण मारे।

भक्त जनों के काज संवारे ॥

मात पिता बन्धु और भाई।

विपत काल पूछे नहीं काई ॥

दूधाधारी एक आस तुम्हारी।

आन हरो अब संकट भारी ॥

पुत्रहीन इच्छा करे कोई।

निश्चय नाथ प्रसाद ते होई ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बालक नाथ की गुफा न्यारी।

रोट चढ़ावे जो नर नारी ॥

ऐतवार व्रत करे हमेशा।

घर में रहे न कोई कलेशा ॥

करूँ वन्दना सीस निवाये।

नाथ जी रहना सदा सहाये ॥

हम करें गुणगान तुम्हारा।

भव सागर करो पार उतारा ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

# अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा